

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री नरनीतकृष्णष्टकम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्री नरनीतकृष्णकम् ॥

मन्दस्मितं मधुरकोमललास्यलीलं  
कन्दर्पकोटिकमनीयकिशोरमूर्तिम्।  
कुन्दस्फुरदशनकं कुटिलालकाञ्चनं  
रन्देय नन्दतनयं नरनीतकृष्णम् ॥ 1 ॥

नाट्यारलोकनकुतूहलिभिः प्रदिष्टं  
कोट्या करस्य नरनीतघनं दधानम्।  
शाट्या शिशोरुचितया शबलारलङ्घनं  
रीट्या लसन्मुखमिमो नरनीतकृष्णम् ॥ 2 ॥

मञ्जीरमञ्जुचरणं मृदुलाञ्जुलीकं  
पुञ्जीभरन्मधुपपुष्कलपुष्पमालम्।  
कञ्जीभरन्नयनमाश्रितदेहभाजां  
सञ्जीरनं नम मनो नरनीतकृष्णम् ॥ 3 ॥

पूरेण नीलमहसां परिपूर्णगात्रं  
हारेण मौक्तिकजूषा हृतसर्चितम्।  
चोरेण मोहितमुनिं दधिकुण्डभाजा  
पारेगिरं स्तुहि मनो नरनीतकृष्णम् ॥ 4 ॥

पद्मालयाधरणिपालितपाश्र्वयुग्मं  
सद्मास्थितं मणिकनकनकारकुण्डम्।  
छद्मादिदूरगजनैः परिचर्यमाणं  
रिद्धं कथं रयममुं नरनीतकृष्णम् ॥ 5 ॥

ধ্যাতং সদা মুনিজনৈরভিবৃদ্ধহর্ষৈঃ  
পূতং মুহূর্ভ্রাজরধূজনচুষ্ণিতৈস্তৈঃ।  
ক্রীতং ক্ষণেন শরণাগতদীনরাচা  
স্ব্ফীতং শ্রিয়া ভজ মনো নরনীতকৃষ্ণম্ ॥ 6 ॥

উদ্যান্মৃগাঙ্ককমনীযমুখারবিন্দং  
সদ্যঃস্ফুরৎকমলকোমললোচনান্তম্।  
যদ্যন্নতাভিলষিতং তদুপার্জযন্ত -  
মদ্য স্মরামি সরসং নরনীতকৃষ্ণম্ ॥ 7 ॥

তুঙ্গং গুণৈরনুপমৈরনরদ্যগন্ধৈঃ  
সঙ্গং শ্রিতেষু সততং স্বয়মাদধানম্।  
অঙ্গং রহন্তমতুলং নরমেঘনীলং  
ৎরং গন্তমর্হসি মনো নরনীতকৃষ্ণম্ ॥ 8 ॥

নরনীতকৃষ্ণরিষযামরনীসুরভারুকাং স্তুতিং কথযন্।  
সরনী সংপন্নঃ স্যাৎ স রনী স যতিঃ স এর মুক্তশ্চ ॥ 9 ॥

॥ শ্রী নরনীতকৃষ্ণাষ্টকং সমাপ্তম্ ॥